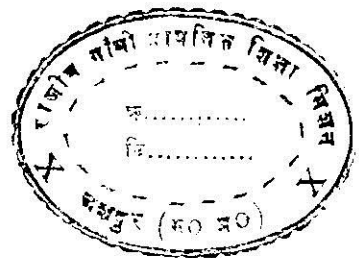
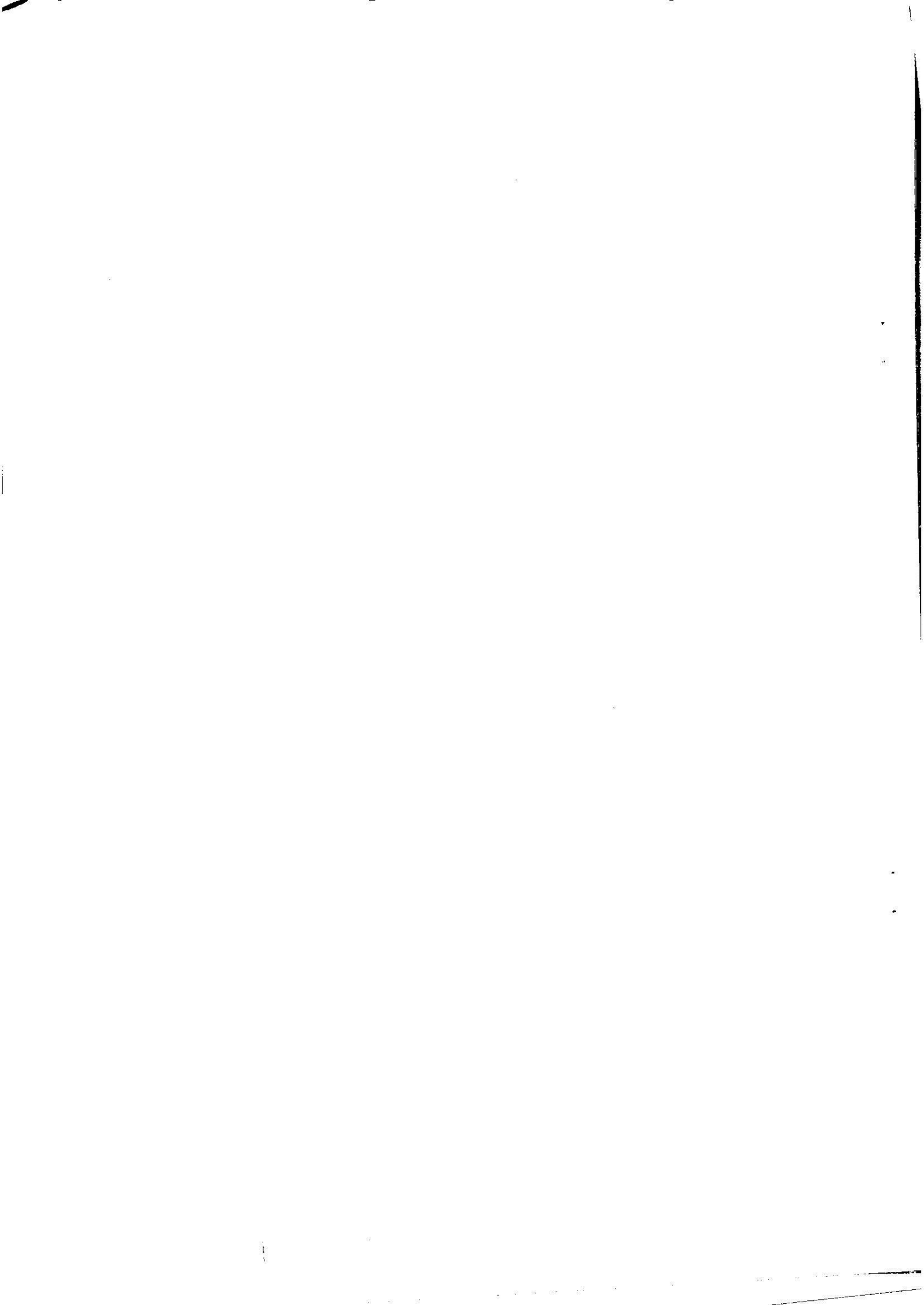


1

24

बिना





1) नाचैक नी जाने मड़वा के दोष - अपन दोष के दोसर दोसर कर उपरे मड़क

प्रयोग - दूध के दही जमायक नी जानलक ^{आउर} दूध फाइट गेलक रवने दूध देक वाला के मुरख गरियालक । इरवे कहेन नाचैक नी जाने मड़वा के दोष ।

2) पानी मरी से पियारी मारी - जेकर ठन सब खाध रही से कमी दूरकी नी होई ।

प्रयोग - बूढ़ा मात रवाई के उठलक हर बुढ़िया के कहलक तीय मात घीन रवाई रवन बुढ़िया कहलक नी बुढ़ा पानी मरी से पियारी मारी ।

3) बेगर जागाड कर हागेक बैठकुन देला टमड़ेक = काम शुरू कइरके टमड़ा टमड़ी होयक ।

प्रयोग - नीनी तयिन रांधेक बइठलक कराही के पूछा में चढ़ाईके तेल खोजेक गेलक इरवे कहेन हागेक बैठकुन देला टमड़ेक ।

4) लम्भा कर उठवास की कुकुर कर मुतवास - एक काम पूरा नी होयल आऊर दूसर काम करवायक

प्रयोग - हरनद्वारा कार्यशाला में आलक आऊर उकर काम पूरा नी होई रहे कि उके रायपुर मेजांय इरवे कहेन लम्भा कर उठवास की कुकुर कर मुतवास ।

⑥ घरक मुसा तैले-तेल - घर घुम्सु ।

प्रयोग - रामू खेत लट काम करेक जवै नी क
धरे रहींकुन नगढ़ रणायल - पियेल, इरेव
कहेन घरक मुसा तैले-तेल ।

⑦ बापक नाव साग पात, बैटाक नाव मिठई दार - बाप परिया
ले जेर उपयोग
नी कइररहेन ।

प्रयोग - बाप हर कहियो गाड़ी नी चढ़ रहे लेकिन
बैटा हर गाड़ी किनेक खोजाये इकर लागिन
कहेन बापक नाव साग पात बैटाक नाव मिठई दार

⑧ खाय के खुदी नीखे पादे के दूसा - जेके रहेल नही उकर
ले बारा इच्छा रखेक

प्रयोग - इयामू धरे कौनो नीखे और गाड़ी किनव
कहेल इरेव कहेन खाय के खुदी नीखे और
पादे के दूसा ।

⑨ बोहल कुकर लम्मा धरी - बोगर मन कर कौनो हर नी
करेन ।

प्रयोग - मोहन के माटी कोड़ेक मोजलय खने मोहन
गढ़ हई महा सुतो थे । इकर ले कहेन
बोहल कुकर लम्मा धरी ।

घर पोड़ेल खन कुंआ कोड़ेल = संकट घरेल खन उपाय सोचेल

प्रयोग = मोहन परीक्षा लिखेक जायक खने हड़-बड़-हड़-बड़ किताब पढ़थे इखे कहेन घरपोड़ेल खने कुंआ कोड़ेल।

10 - गरजू के गरज नही तो फकीर के काफिर = आपन काम के दोसर कर भरसा में छोड़िक।

प्रयोग = सोहन आपन घर काम के दूसर इन के करवात रहे से कर लगनि ले उकर काम पूरा नी होखक ओकरे के काले-कि गरजू के गरज नही तो फकीर के काफिर।

11 - कुकुर कर भुकले बदरी फारी = कहल बात कर केनो असर नी होयक।

प्रयोग = राजू के बाप हर बजार जायक कइह-कइह के थारक गेलक लेकिन ओ टस ले भस नी नी होखक उकरे कहेन कुकुर कर भुकले बदरी फारी।

12 - फफुड़ नाथ गिरधारी, न लोटा न धारी = जिसके जेकर ठम केने नी रहेक।

प्रयोग = भौला बुद्ध-बुद्ध के खात रहेक। कौनो काम नी होखे काले कि ओ लो फफुड़ नाथ गिरधारी न लोटा न धारी हेके।

13 - नाक जायल तब बुद्ध आवेल = काम बिगड़ल ओर पाछे होश आवेक।

प्रयोग = बुद्ध नाम खेत अटे डुलडु हूँ नी देखलक आउर जमा धान के गरजू छोरी खाई के सिरवाई देखक उकर पाछे सोचो थे कि आई कुन खेद रहतो होले इसन नी होई रहतक ओकरे ले कहेन नाक जायल तब बुद्ध आवेल।

14 - गोड़ तरी = रुकस पास।

प्रयोग = सूख आपन लोग हर से पानी मांगलक खने लोग हर कहलक पानी के हूँ टाडर चिपेक नी सकधीस तोर गोड़ तरी लेइज देबू हले पीबे।

15 - ज बाद स खेदे = जेकर काम होई गेलक ओ जाते जायक।

प्रयोग = सीता और गीता कुंआ से पानी लाने क गेलथे, गीता पानी भरलक हर चलते चडल हे खने सीता कहलक पठराब नह खने गीता कहलक ज बाद स खेदे तो क कतेक पठराबूँ।

16 - जेकर गाल रोट सैकर बारी रोट = जे बगरा गोठियाल ओकरे काम बनेक।

प्रयोग = रामू कोनो ठन जाई के मुरुक गोठियाल खने ओतुर काम अ से होई जायल आउर श्यामू जेतेक जरुरत ओतरे गोठियाल खने ओकर काम देरी से होयल ओकरे ले कहेन जेकर गाल रोट ओफ बारी रोट।

① नाचकु नी जाने मडवा के दोष = आपन दोष के दूसर दोसर करे महेक।

प्रयोग - दुध के दही जमायकु नी जानलकु ओर दुध कापूर गेलकु एवम दुध देकु कालके मुरुख मरिआलकु। इखे कहने नाचकु नी जाने मडवा के दोष।

② पानी मरी से पिमारे मोरी = जेकर ठन सिक साधन रही से कभी दूरवा नी बाई।

प्रयोग - बुढ़ा भाल खाई के उठलकु हर बुद्धिया के कहेलकु, लोय भाल झीम खावे एवम बुद्धिया कहेलकु, न बुढ़ा पानी मरी से। पिमारे मोरी।

③ लम्मा बर उठवास ~~के~~ उठवास मुजबारा = बेगर एकरा जोगाड करे बागेक बैठकुन केला एमडेक = काम करे कइरेके एमडा-एमडी

प्रयोग - लोमी लोपन रांवेक ~~कइरेके~~ कइरेके के पूरवा में पकाइके लेल खोजेकु गेलकु इखे कहने बागेक बैठकुन केला एमडेक

④ लम्मा बर उठवास की उठर करे मुतवारस = एक काम पूरा नी होयल आकर इस काम कोरपाक।

प्रयोग - केरके ~~उठवास~~ इखे कहने कायमाला में काम पूरा नी होइ रहे कि उठे रायपुर बेजोभय, इखे कहने लम्मा क उठवास की उठर करे मुतवारस।

⑤ आपक नाव साग-पाल बेधाक नाव मिठई दास =

⑥ धरक मुसा लेल-लेल = धरक मुसु

प्रयोग - रामु खेत बर काम करेक जावे नी करेल। धरे वहीकुन नगरे खायल-पियेल, इखे कहने धरक मुसा लेल-लेल।

⑦ आपक नाव साग पात, बेधाक नाव मिठई दास = ~~मिठई~~ ^{मीठे} आप परिघा ले जेकर उपयोग नी कइर रहेन उके बेधा उपयोग करेक। इकर छागिन कहेन आपक नाव साग पात बेधाक नाव मिठई दास।

⑧ खाय के खुदी नीखे पादे के भूसा = जेनेक रहेल नही उकर ले जागरा कर इच्छा करेक। प्रयोग - श्यामू करे कोनो नीखे ओर गाडी किनवू करेक इखे कहेन खाय के खुदी नीखे ओर पादे के भूसा।

⑨ बोहल कुमुर लम्मा धरी = बेगर मन करे ^{कोनो हउ} काम करेकोनी करेन प्रयोग - मोहन के भाती कोड़े क भेजलय बेकिन खने मोहन गय बाई भल सुतो थ इकरे ले करेन मोहन ^{कोनो हउ} काम करेकोनी करेन।

दाँत कु बले कुतारी = दोसर कर भरसा में काम करेक।

प्रयोग - गंडू कर भार के सांझो लाइन दे लकु खने घर पहेंचेक सकलकु

18) जइत न जंगर, अनियाँ कर धाँगर = बेगर पाया कर बड़का काम करेक।

प्रयोग - सरु गोटे कु शेट परबना के उठाइक खोजोत रहे जे उठायेक
इँ नी सकत रहे खने डरु कुहलकु जइत न जंगर अनिया

19) बातकु लर-लर कामकु ढील जेतने देले ओतने लीष = बड़का-बड़का बात
करेक और काम नी करेक आउर खायकु सबले बगर खायकु।

प्रयोग - लोपड़ा बड़का-बड़का गीठियाल आउर हर जोतेकु सबकु इँ नी
सकेस इखें कुहेन बातकु लर-लर कामकु ढील, जेतने देले उतने लीष

20) गेल फगुने धूर उड़ायकु = समय बिल बिल पास करेक। बुइय अताये

प्रयोग - चुन्चा पर बनाय कु ले नीन गढ़ा कोइइ के भीत उठालकु सेकर
पासे कलकु कि ये कटिकु इ नियर इहतक रले बादिया होतकु
इखें कुहेन गेल फगुने धूर उड़ायकु।

21) गाझो जनमते डाँडा डोइर = धिगे से तैयारी करेक। या योजना बनायेक

बुचू सोचत रहे कि मोर ठने गाड़ी होई हसे इहाँ जाइ
उहाँ जाइ इसन करबू उसन करबू करेस उखें कुहेन
गाझो जनमते डाँडा डोइर!

22) छोटे शेट पद पाय तो हागेकु खने गीत गाय = कुटिको हकु भैटा

प्रयोग - लोचा चपरासी बनलकु जे शेट-शेट गीठियाथी इखें कुहेन
छोटे शेट पद पाय तो हागेकु खने गीत गायकु।

कमल

1

2

30) आठ हाथ खीरा कर नौ हाथ बीरन = छोटे गोठ के बड़ाई-पड़ाई करेक

प्रयोग - सोहन सोहन के काँच गड़लुक खने मोहन उकर घरे जाइके का करलुक कि सोहन तो क छोटी जीलुक जे रे गेके हुनी सकथ खने जाई के देखलंय जे छोटे राट काँच गड़ रहे खने करलंय तोय तो आठ हाथ खीरा कर नौ हाथ बीरन लेखे बनाई देले।

31) आइग मुतउ = जरजर।

प्रयोग - बहामर साहेब आइग मुतउ हइक।

32) कपार कर गहद के खरपट में पोखेक = नगद भैहनइत करेक।

प्रयोग - कपार कर गहद के खरपट में पोखेके होले गुन एकदिन बइठ ताता बासी खाबे।

33) बारह धाट कर पानी पियलु = सब बात के जानेक वाला।

प्रयोग - जलधर के उमनेहे झीन समझा ओ बारह धाट कर पानी पियलु हेके।

34) आगे नाथ न पीछे पाघा = जेकर कोई नखंय।

प्रयोग - मोय तो ऐसन आफनी हेके जेकर आगे नाथ न पीछे पाघ।

35) पड़े कपार तो बुझे गंवार = बुझा पड़े ल खने होश आबेख।

प्रयोग - बहरन बुझे बाण गरल पावे बुझा गामा शीअ रंग के भुलाई गेलुक आबे कि पड़े कपार तो बुझे गंवार।

36) मड़वारी कर छोड़ा में बुधू-बड़वारी = होसंर कर धन में इतराथक।

प्रयोग - सलीशा मामा हर कर गाड़ी में बइठ के बुधुमत रहे खने सोहन पुखलक कहिया गाड़ी कि नलेक खने सलीशा करलक मड़वारी छोड़ा में बुधू-बड़वारी।

37) सहशाल बोयी डोम धरे जाय = जेके बेस कहत रहेय ओहय

प्रयोग - शिमि गोटेक बेस छोड़ी रहे अदनाम करेक। काम करलक कि सबकर भाथा मुव सबके लाज रिखाई देलुक खने कहलंय कि सहशाल बोयी डोम धरे जाय।

